[This question paper contains 5 printed pages.]

1064 *Your Roll No.* .....

*आपका अनुक्रमांक* _____

**B.A. (Hons.)/II** **J**

PHILOSOPHY – Paper-IV (a)

(Social and Political Philosophy)

*Time : 3 Hours* *Maximum Marks : 75*

*समय : 3 घण्टे* *पूर्णांक : 75*

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

*(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)*

*Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

*टिप्पणी :- इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

*Answer* **all** *questions.*

**All** *questions carry equal marks.*

**सभी** *प्रश्नों के उत्तर दीजिये।*

**सभी** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

1. (a) "... a society satisfying the principles of justice as fairness comes as close as a society can to being a voluntary scheme, for it meets the principles which free and equal persons would assent to under circumstances that are fair." Elaborate the justice as fairness argument advanced by Rawls.

"ऐसा समाज जहाँ औचित्यपूर्ण न्याय प्रचलित है एक स्वैच्छिक समाज के बहुत निकटतम है, चूंकि यह उन सिद्धांतों के अनुकूल है जिन को स्वतंत्र व समान व्यक्ति उचित परिस्थितियों में चुनेंगे।" रॉल्स द्वारा प्रतिपादित औचित्यपूर्ण न्याय युक्ति को विस्तृत कीजिये।

**OR**

(b) "... it seems that the principle of utility is incompatible with the conception of social cooperation among equals for mutual advantage. It appears to be inconsistent with the idea of reciprocity implicit in the notion of a well-ordered society." Analyse Rawls' argument against utilitarianism in the context of the above statement.

"ऐसा महसूस होता है कि उपयोगिता का सिद्धान्त परस्पर लाभ के लिये समान लोगों में सामाजिक सहयोग से असंगत है। यह एक सुव्यवस्थित समाज में निहित पारस्पारिकता के प्रत्यय से असंगत है।" इस कथन के संदर्भ में रॉल्स द्वारा उपयोगितावाद के विरोध में दी गई युक्ति का विश्लेषण कीजिये।

2. (a) Critically explain the two principles of justice advocated by Rawls in *A Theory of Justice*.

*न्याय का सिद्धान्त* में रॉल्स द्वारा प्रतिपादित न्याय के दो सिद्धान्तों का समीक्षात्मक स्पष्टीकरण कीजिये।

**OR**

(b) Do you agree with the view that the "veil of ignorance" is a strict impartiality condition imposed on choice? Give reasons for your views.

क्या आप इस मत से सहमत हैं कि "अज्ञान का आवरण" चुनाव पर निष्पक्षता लागू करने का एक कड़ा प्रतिबन्ध है ? अपने विचारों के समर्थन में तर्क दीजिए।

3. (a) What aspects of Western Civilisation is Gandhi criticising in' *Hind-Swaraj*? Do you agree with his critique? Substantiate your response.

पाश्चात्य सभ्यता के कौन से पहलू का गांधी ने *हिंद-स्वराज* में खंडन किया है ? क्या आप उनकी समीक्षा से सहमत हैं ? अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।

**OR**

(b) What, according to Beteille, are the tensions between individualism and egalitarianism? Can they be resolved? Comment.

P.T.O.

बेते के अनुसार व्यक्तिवाद और समानतावाद के बीच क्या द्वन्द्व है ? क्या यह द्वन्द्व सुलझाया जा सकता है ? टिप्पणी कीजिए ।

4. (a) "Yet the 'positive' and 'negative' notions of freedom historically developed in divergent directions ... until ... they came into direct conflict with each other." Evaluate the two conceptions of liberty discussed by Berlin.

"तथापि स्वतंत्रता की सकारात्मक और नकारात्मक धारणायें ऐतिहासिक रूप से भिन्न दिशाओं में विकसित हुईं जब तक वे परस्पर विरोध में आईं ।" बर्लिन की स्वतंत्रता की दो अवधारणाओं का मूल्यांकन कीजिए ।

**OR**

(b) Give a brief account of the 'ātman-centric' and the 'socio-centric' views of society as explained by Daya Krishna. Do you agree with his criticism of the ātman-centric perspective ? Explain..

'आत्म-केंद्रित' और 'समाज-केंद्रित' की दयाकृष्ण द्वारा की गई व्याख्या का संक्षिप्त में विवरण दीजिए । क्या आप उनके आत्म-केंद्रित दृष्टिकोण के खंडन से सहमत हैं । स्पष्ट कीजिए ।

5. (a) According to H.L.A. Hart, "if there are any moral rights at all, it follows that there is at least one natural right, the equal right of all men to be free."

Under which special circumstances is there a moral justification for one person to interfere with the freedom of another person ? Discuss.

एच. एल. ए. हार्ट के अनुसार, "यदि कोई नैतिक अधिकार है तो इसका अर्थ यह है कि कम से कम एक नैसर्गिक अधिकार ज़रूर है, और वह है सभी व्यक्तियों की स्वतंत्रता का समान अधिकार।" ऐसी कौन सी विशिष्ट परिस्थितियाँ हैं जिन में इस बात का नैतिक औचित्य होता है कि एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप कर सके ? व्याख्या कीजिये।

**OR**

(b) Analyse Schumpeter's critique of the classical doctrine of democracy. Is the competitive model that he offers convincing ? Discuss.

लोकतंत्र के क्लासिकी सिद्धांत के बारे में शुमपीटर की समीक्षा का विश्लेषण कीजिए। उनके द्वारा प्रतिपादित प्रतियोगी मॉडल क्या विश्वसनीय है ? विवरण कीजिये।